दैनिक
न्याय साक्षी

महत्वपूर्ण एवं खास

शासकीय कार्यालयों में काम-काज प्रारंभ होने से पहले लाएं सेनेटाइजेशन ड्राईव : मुख्यमंत्री

रायपुर, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शासकीय कार्यालयों में कोविड-19 के संक्रमण से बचाव के लिए 'सेनेटाइजेशन ड्राईव' चलाकर कार्यालयों की साफ-सफाई, सेनेटाइजेशन, रंग-रोगन, हाथ धाने की व्यवस्था जैसी तैयारियां जल्द से जल्द करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। श्री बघेल ने निर्देश में कहा है कि निकट भविष्य में 'लॉकडाउन' समाप्त होने एवं शासकीय कार्यालयों में काम-काज आरंभ होना संभावित है। शासकीय कार्यालयों में बड़ी संख्या में आमजनों का आना भी स्वाभाविक है। देशव्यापी इस आपदा का प्रभाव लम्बी अवधि तक रहना निश्चित है। इसलिए कार्यालयों में सेनेटाइजेशन आवश्यक है। ताकि कोविड-19 वायरस के प्रसार की गति को नियंत्रित रखा जा सके।

डोनेशन ऑन व्हील्स के लिए दूर- दराज तक के अधिकारी कर्मचारी भी आ रहे है सामने

रायपुर, (आरएनएस)। डोनेशन ऑन व्हील्स के लिए केवल रायपुर जिला मुख्यालय के स्वयंसेवी संगठन ,संस्था , सेवाभावी नागरिक ही सहायता और सहयोग के लिए आगे नहीं आ रहे हैं , बल्कि इस पवित्र कार्य में दूर- दराज तक के छोटे-बडे अधिकारी - कर्मचारी भी सामने आ रहे हैं। अनुविभागीय अधिकारी आरंग विनायक शर्मा ने बताया कि डोनेशन आन व्हील्स के लिए आरंग के अनुविभागीय अधिकारी , तहसील कार्यालय , राजस्व निरीक्षक एवं समस्त पटवारियो द्वारा 2 लाख रुपये की राशि का सहयोग दी गई है ।

राज्य में एक लाख जरूरतमंदों को मिला निःशुल्क भोजन व खाद्यान्न का आबंटन

रायपुर, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशानुरूप राज्य के सभी जिलों में गरीबों, अन्य स्थानों के श्रमिकों एवं निराश्रित लोगों को निःशुल्क भोजन व खाद्यान्न पैकेट उपलब्ध कराए जाने का सिलसिला जारी है। कोरोना संक्रमण के कारण लॉकडाउन के चलते जरूरतमंदों की मदद के लिए राज्य भर में जगह-जगह लगाए गए राहत शिविरों में 25 अप्रैल को एक लाख 43 हजार 460 जरूरतमंदों, श्रमिकों एवं निराश्रितों को निःशुल्क भोजन व खाद्यान्न पैकेट उपलब्ध कराया गया। कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए मास्क, सेनेटाइजर एवं दैनिक जरूरत का सामान भी जिला प्रशासन, रेडक्रॉस तथा स्वयंसेवी संस्थाओं की सहयोग से जरूरतमंदों को लगातार मुहैया कराया जा रहा है। जिलों से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार 25 अप्रैल को स्वयंसेवी संस्थाओं की मदद से 82 हजार 448 मास्क एवं सेनेटाईजर, साबुन आदि का वितरण जरूरतमंदों को किया गया हैं। यह उल्लेखनीय है कि जिलों में प्रशासन द्वारा समाजसेवी संस्थाओं एवं दानदाताओं के सहयोग से संचालित राहत शिविरों के माध्यम से छत्तीसगढ़ राज्य में अब तक 44 लाख 59 हजार 169 लोगों को निःशुल्क भोजन एवं खाद्यन्न पैकेट उपलब्ध कराया गया है। स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से कोरोना संक्रमण के बचाव के लिए 39 लाख 95 हजार 169 मास्क सेनेटाईजर एवं अन्य सामग्री का निःशुल्क वितरण जन सामान्य को किया गया है।

गौठानों से 10 लाख का वर्मी कंपोस्ट और 81 हजार रूपए से अधिक की सब्जियों का विक्रय

रायपुर, 25 अप्रैल (आरएनएस)। राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना नरवा, गरवा, घुरूवा और बाड़ी योजना का जिले में सतत् संचालन किया जा रहा है। परंपरागत कृषि उपकरणों के साथ वर्मी कंपोस्ट का निर्माण निरंतर किया जा रहा है। सूरजपुर जिले में अब तक 1040 क्विंटल वर्मी कंपोस्ट तैयार कर लगभग 10 लाख रूपए से अधिक की बिक्री की जा चुकी है। खेतों में इसका उपयोग किया जा रहा है।

राज्य के खाते में 350 करोड़ जमा, पहले उसे मजदूरों को दे राज्य सरकार - सुनील सोनी

रायपुर, (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष व रायपुर सांसद सुनील सोनी ने कहा है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल केन्द्र सरकार से ये रूपये मांगने के बजाय निर्माण मजदूर कल्याण निधि के अंतर्गत 18 लाख निर्माण श्रमिकों के लिए राज्य के खाते में जमा 350 करोड़ रूपए से भुगतान करें। सांसद सोनी ने कहा कि 18 लाख निर्माण श्रमिकों को न्यूनतम 1000/- रूपए देने पर भी सिर्फ 180 करोड़ रूपये ही खर्च होंगे। इस संबंध में केन्द्र सरकार द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है, जिसका पालन करना अनिवार्य है। इसके बावजूद भी राज्य के खाते में जमा राशि से मजदूरों को भुगतान करने के बजाए केन्द्र से 30,000 करोड़ मांगकर सिर्फ राजनीति कर रहे हैं।

सांसद सोनी ने बताया कि देश के समस्त राज्यों में निर्माण श्रमिकों को इसी प्रकार आर्थिक सहायता प्रदान की गई है, जिसमें दिल्ली में 5000/- रूपये, पंजाब में 3000/- रूपये, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार इत्यादि राज्यों ने प्रति श्रमिक 1000 रूपये दिये जा चुके हैं। केवल एकमात्र छत्तीसगढ़ सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में लगभग 350 करोड़ से अधिक राशि जमा है, जो कि श्रमिक कल्याण हेतु खर्च किया जाना है। केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में बार-बार निर्देशित किये जाने के पश्चात भी राज्य सरकार मजदूरों को आर्थिक सहायता न देकर मजदूरों को गुमराह कर रही है। केन्द्र सरकार ने स्पष्ट कहा है कि संकट की इस घड़ी में श्रमिकों के खाते में जमा राहत राशि दी जावे। प्रदेश में मजदूरों के हित में कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाने से राज्य सरकार का यह मजदूर विरोधी चेहरा उजागर हो गया है।

सांसद सोनी ने कहा कि असल में मुख्यमंत्री जी अपनी नाकामी को छुपाने के लिए केन्द्र सरकार से 30,000 करोड़ रूपये की आर्थिक सहायता की गुहार लगा रहे हैं और जनता का ध्यान भटकाना चाहते हैं। श्रमिकों के हित में भूपेश सरकार पूरी तरह भ्रमित व विफल साबित हुई है। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की है कि जल्द से जल्द समस्त श्रमिकों के खाते में राशि 1000/- रूपये आर्थिक मदद देने का आदेश जारी करें।

कलेक्टर ने कोटा से आने वाले बच्चों के लिए बनाए क्वरेंटाइन सेन्टर का किया निरीक्षण

राजनांदगांव, (आरएनएस)। कलेक्टर जयप्रकाश मौर्य ने आज दोपहर स्कूल संचालकों की बैठक लेने के बाद क्वारेंटाइन सेंटर के लिए चिन्हित दिल्ली पब्लिक स्कूल के गर्ल्स हॉस्टल का निरीक्षण किया। उन्होंने कोटा (राजस्थान) से आने वाले बच्चों के लिए चिन्हांकित क्वारेंटाइन सेंटर के तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने हॉस्टल के कमरे में रखे बिस्तर की व्यवस्था को देखा और कहा कि हॉस्टलों को सोडियम हाईपोक्लोराईड से सेनेटाईज किया जाए, ताकि संक्रमण होने की संभावना न हो। स्कूल के संचालक ने बताया कि बच्चों के लिए मेस में खाना बनाया जाएगा। प्रतिदिन भोजन और नाश्ता मेनू के अनुसार तैयार किए जाएंगे। बच्चों को मेस में ही खाना उपलब्ध कराया जाएगा। हॉस्टल में बच्चों के लिए बेडमिंटन, कैरम जैसे इंडोर गेम की भी सुविधा है। इस अवसर पर अपर कलेक्टर हरिकृष्ण शर्मा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथलेश चौधरी, एसडीएम राजनांदगांव मुकेश रावटे, जिला शिक्षा अधिकारी एचआर सोम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ग्रीष्मकाल में पानी की रहेगी पर्याप्त उपलब्धता

》 बैराजों से तालाब, एनीकट एवं नदियों में छोड़ा जाएगा पानी

》 पेयजल एवं कृषि कार्यों के लिए पानी की उपलब्धता से किसानों एवं जनसामान्य को मिलेगी राहत

राजनांदगांव, (आरएनएस)। कलेक्टर जयप्रकाश मौर्य के मार्गदर्शन में जिले में ग्रीष्मकाल में पानी की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के लिए बैराजों से तालाब, एनीकट और नदियों में पानी छोड़ा जा रहा है। इससे गर्मी के दिनों में पेयजल की समस्या भी दूर होगी एवं जलभराव से किसानों को खेतों में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी की उपलब्धता होगी। लॉकडाउन की स्थिति में पेयजल एवं कृषि कार्यों के लिए पानी की उपलब्धता किसानों एवं जनसामान्य के लिए वरदान साबित होगा।

जिले में मध्यम योजना के अंतर्गत मोंगरा बैराज, सूखा नाला बैराज और घुमरिया नाला बैराज से निस्तारी के लिए पानी छोड़ा जा रहा है। वहीं लघु योजना के अंतर्गत खातूटोला नाला बैराज से एनीकट, नदियों तथा तालाब में जल भराव के लिए पानी छोड़ा जा रहा है। इन बैराजों से 32 तालाब,20 एनीकट और नदी में जल का भराव किया जा रहा है। इसके माध्यम से कुल 77 गांव लाभान्वित होंगे।

जल संसाधन बैराज संभाग डोंगरगांव से प्राप्त जानकारी के अनुसार मोंगरा बैराज से 5 तालाब और 14 एनीकट में निस्तारी के लिए जल का भराव किया जा रहा है। इस बैराज से मोंगरा, कातुलवाही, चौकी, बिहरी, सिरमुंदा, डोंगाघाट, सांगली, केसला, हितागुटा, थुहाडबरी, किलारगोंदी, नादिया, दाउटोला, धनगांव, मानिकपुर, साल्हे, चांदों, देवरी, हालाडुला, पांगरी, मटिया, करियाटोला, दर्री,

डॉ रमन सिंह केंद्र सरकार से प्रवासी मजदूरों को वापस छत्तीसगढ़ तक लाने की व्यवस्था तत्काल करने की मांग करें-मोहन मरकाम

रायपुर, (आरएनएस)। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह की पत्रकार वार्ता पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि डॉ रमन सिंह को यह स्वीकार करना चाहिए था कि मजदूरों की यह सारी समस्याएं केंद्र सरकार द्वारा पहले ट्रेन बस बंद करने और बाद में लॉक डाउन करने के कारण उत्पन्न हुई है। पहले देश की जीवन रेखा रेल सेवा को बंद किया गया और उसके बाद लॉक डाउन किया गया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि मजदूरों की समस्याओं को लेकर डॉ रमन सिंह चिंतित तो है लेकिन चिंतित होना पर्याप्त नहीं है। डॉ रमन सिंह भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी है । अब समय आ गया है कि डॉ रमन सिंह को भाजपा की केंद्र सरकार से इस बात की मांग करना चाहिए कि छत्तीसगढ़ के प्रवासी मजदूरों को वापस राज्य तक लाने की व्यवस्था केंद्र सरकार तत्काल करें।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि चूंकि प्रवासी मजदूरों को वापस लाने का काम अनेक राज्यों से जुड़ी समस्या है इसलिये केंद्र सरकार द्वारा सभी राज्यों की सरकारों से समन्वय स्थापित कर तत्काल कार्ययोजना बनाना आवश्यक है। प्रवासी मजदूरों को छत्तीसगढ़ वापस लाने के लिये सारी एहतियात बरतते हुये चिकित्सकों की देखरेख में विशेष श्रमजीवी एक्सप्रेस ट्रेनें चलाई जाना चाहिये ।बस्तर के जगदलपुर और दंतेवाड़ा छोड़कर बड़े इलाके में रेल सेवा नहीं हैं, वंहा संबंधित राज्यों में गये छत्तीसगढ़ के प्रवासी मजदूरों को विशेष बसों से भेजने की व्यवस्था की जाये।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि आज छत्तीसगढ़ में शेष भारत से अगर बेहतर स्थिति है और इसके कारण पूरे देश से हजारों लाखों लोग वापस छत्तीसगढ़ आना चाहते हैं तो इसके पीछे छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा सही समय पर उठाए गए सही फैसले हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार हमेशा प्रदेश के गरीबों और खासकर बस्तर के लोगों के प्रति

केरिपु बल 219वीं वाहिनी ने किया आवश्यक सामग्रियों का वितरण

सुकमा, (आरएनएस)। जिले के केरिपु बल 219 वी वाहिनी द्वारा ग्राम असीरगुड़ा के लगभग 85 ग्रामीणों को तथा कोट्टाचेरु गांव के लगभग 60 ग्रामीणों को आज तथा 23 अप्रैल 2020 को एतेगट्टा गांव के लगभग 80 ग्रामीणों को, भेजी गांव के लगभग 160 ग्रामीणों तथा इंजरम के लगभग 232 ग्रामीणों को कोविड-19 कोरोनावायरस के इस महामारी से निपटने व संक्रमण की रोकथाम के लिए अनिल कुमार कमांडेंट के निर्देशन में च्वनप्राश, मास्क, सैनिटाइजर, हैंड वॉश, बिस्कुट तथा साबुन का वितरण किया गया।

आयोजन दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए लॉक डाउन का पालन करने की सभी लोगों से अपील की गई। अनिल कुमार कमांडेंट द्वारा उपस्थित लोगों को बताया गया कि यदि आप घर से बाहर किसी जरूरी काम से जाते हैं, और पुनः घर वापस आते हैं, उस समय घर के दरवाजे पर ही अपना हाथ-पैर साबुन या सैनिटाइजर से अच्छी तरह से साफ करके घर में प्रवेश करे और पहने हुए कपड़ों को साफ करने के बाद ही घर के अंदर रखे।

कोविड-19 कोरोना वायरस के खिलाफ की लड़ाई में हर व्यक्ति को सहयोग करना होगा। साथ ही गांव के किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की बीमारी होने पर तुरंत इंजरम तथा भेजी कैंप में स्थित अस्पताल में इलाज के लिए निःसंकोच आने के लिए प्रेरित किया। साथ ही यदि गांव के किसी भी

व्यक्ति के पास राशन की कमी है वह हमारे कैम्प से राशन सामग्री ले जा सकता है। ग्रामीणों को हम किसी भी प्रकार की कमी नहीं होने देंगे। वाहिनी के चिकित्सा अधिकारी डॉ. राहुल आर द्वारा ग्रामीणों को हिदायत दिया गया कि कोरोना को हल्के में ना ले अनावश्यक बाहर ना निकले सोशल डिस्टेंसिग का पालन करने से एक संक्रमित व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति पर कोविड-19 को वायरस के संक्रमण को फैलने से रोका जा सकता है। इस कार्यक्रम में रविशंकर द्वितीय कमांडेंट, राजदीप गुप्ता उप कमांडेंट तथा मोहन सिंह बिष्ट सहायक कमांडेंट उपस्थित थे।

कोरोना वायरस से सुरक्षा : जिले के सभी गांवों, नगरीय एवं सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी समिति

रायपुर, (आरएनएस)। राज्य में कोरोना वायरस के संक्रमण से सुरक्षा के लिए के विभिन्न उपाय किए गए हैं। इसी कड़ी में बस्तर जिले में कोरोना वायरस के संक्रमण से सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। विश्वव्यापी इस महामारी से सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिले के सभी गांवों, नगरीय एवं जिले की सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी समिति गठित किया जा रहा है। यह समिति गांवों और नगरीय क्षेत्रों में बाहर से आने वाले व्यक्तियों तथा संदिग्ध व्यक्तियों की सतत निगरानी के अलावा इस वायरस के प्रसार के रोकथाम की समुचित व्यवस्था करेगी।कलेक्टर डॉ. अय्याज तम्बोली ने ग्रामवार गठित की जाने वाली इस कोविड कमेटी में संबंधित ग्राम पंचायत के संरपच, सचिव, कोटवार तथा स्व-सहायता समूह के महिला आदि को शामिल करने के निर्देश दिए हैं। गांवों में बाहर से आने वालों लोगों की निगरानी की जिम्मेदारी इस कोविड कमेटी के सदस्यों की होगी। कोरोना वायरस के रोकथाम के उपायों के संबंध में ग्रामवासियों को प्रशिक्षत किया जाएगा। ग्राम स्तर पर कोरोना वारयस के रोकथाम के संबंध में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी तथा आवश्यक उपाय सुनिश्चित

संभाग में चार लाख से अधिक मजदूर मनरेगा कार्य में लगें

दुर्ग , (आरएनएस)। संभाग के सभी जिलों में मनरेगा के कार्य बड़े पैमाने पर किए जा रहे हैं। अभी दुर्ग संभाग के 2150 पंचायतों में मनरेगा के काम शुरू किए जा चुके हैं। शुरू किए गए कार्यों की संख्या 9367 है। इनमें 411711 मजदूर कार्यरत हैं। सबसे ज्यादा मजदूर राजनांदगांव जिले में लगे हुए हैं। यहां एक लाख 55 हजार 965 मजदूर कार्य कर रहे हैं। कबीरधाम में लगभग 80127 मजदूर काम कर रहे हैं। बेमेतरा में 68421 मजदूर काम कर रहे हैं। बालोद में 60028 मजदूर काम कर रहे हैं। दुर्ग जिले में 45173 मजदूर काम कर रहे हैं। विकास उपायुक्त आर के खूंटे ने बताया कि सभी जिलों में बड़े पैमाने पर मनरेगा के कार्य शुरू किए गए हैं। मनरेगा के कार्यों के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। हाथ धोने के पश्चात तथा मास्क लगाने के पश्चात मजदूर अपना काम शुरू कर रहे हैं। खूंटे ने बताया कि

मनरेगा के माध्यम से जल संरक्षण और भूमि सुधार जैसे कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में नरवा गरवा घुरवा बाड़ी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की भी लगातार समीक्षा की जा रही है।

हिन्दोस्तान भी माहे रमजान में आजाद हुआ-रिजवी

रायपुर, (आरएनएस)। जकांछ मीडिया प्रमुख एवं छत्तीसगढ़ राज्य अल्प संख्यक आयोग के प्रथम अध्यक्ष इकबाल अहमद रिजवी ने एक बयान जारी कर प्रदेशवासियों को पवित्र माहे रमजान की मुबारकबाद पेश करते हुए उन्होंने रमजान के मुकद्दस महीनों में ईस्लाम धर्म की यादगार महत्वपूर्ण घटनाओं का उदाहरण प्रस्तुत किया है जिसमें जंगेबदर, फ्तेहमक्का, तबूक का सफ्र, मिस्त्र की फ्तह, जंगेयरमूक, मरकाएहित्तीन जैसी घटनायें शामिल है और तो और हमारा मुल्क भारत भी रमजान महीने के 28वें रोजे के दिन 15 अगस्त 1947 को आजाद हुआ था। अब इंशा अल्लाह कोरोना वायरस का खात्मा भी रमजान में ही होगा। रिजवी ने देश के मुसलमानों से अपील की है कि 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के साथ-साथ ईस्लामिक केलेण्डर के अनुसार रमजान महीने के 28वें रोजे के दिन को भी स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाने का संकल्प लें तथा 15 अगस्त के समान ही अपने घरों में रोशनी करें तथा मस्जिद, मदरसों सहित सभी इदारों के साथ ही अपने घरों में राष्ट्रध्वज फ्हराऐं। ईस्लाम धर्म के पवित्र ग्रंथ कुराने पाक में लिखा है कि जिस मुल्क में रहो उस मुल्क के प्रति वफ्दार रहो।

पढ़ई तुंहर दुआर : बच्चों को मिल रहे रोचक अनुभव

ऑनलाईन पोर्टल बना शिक्षकों एवं बच्चों को जोड़ने का प्रभावी माध्यम

रायपुर, (आरएनएस)। लॉकडाउन के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एवं अभिभावकों की यह चिंता स्वाभाविक थी कि इस कठिन दौर में बच्चों की पढ़ाई किस प्रकार जारी रखी जाए। अध्यापकों और बच्चों को अध्ययन-अध्यापन से जोड़ा जाए, ताकि स्कूली विद्यार्थी घर पर ही रहकर अपनी पढ़ाई जारी रख सके। इस दिशा में मुख्यमंत्री की सोच को मूर्तरूप प्रदान करने स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इजाद किया गया ऑनलाईन पोर्टल 'पढ़ई तुंहर दुआर' ज्ञान-विज्ञान को शिक्षक एवं बच्चों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बन रहा है।राजनांदगांव जिले में ऑनलाईन पोर्टल एवं व्हाट्सअप ग्रुप के माध्यम से शिक्षक एवं बच्चे आपस में जुड़ रहे हैं। यह वैचारिक एवं तकनीकी क्रांति का दौर है । बच्चों को इसके माध्यम से पढ़ने के रोचक अनुभव मिल रहे हैं। बच्चों एवं शिक्षकों को यह पता है कि कोरोना वायरस कोविड-19 जैसे घातक बीमारी को हराना है इसलिए सभी सजग होकर ऑनलाईन पढ़ाई के लिए जागरूक हो रहे हैं। बच्चे स्मार्ट फोन के जरिए अपने शिक्षकों से जुड़े हुए हैं और अपनी शैक्षणिक समस्याओं का समाधान प्राप्त कर रहे हैं। शिक्षक बच्चों से लर्निंग ऑडियो-वीडियो, फोटो, कोर्स मटेरियल, ऑनलाईन कक्षाएं, ज्ञान-विज्ञान की पीडीएफ फाईल एवं होमवर्क, प्रश्नों के उत्तर आदि आपस में साझा कर रहे हैं। शासकीय प्राथमिक शाला ग्राम घुरोरा की कक्षा 8वीं की छात्रा कुमारी जगोतीन ने कहा कि यह एक कारगर पद्धति है। इस तरह से पढ़ना नया और रूचिकर अनुभव है। कोरोना वायरस संक्रमण की वजह से हम स्कूल तो नहीं जा पा रहे हैं लेकिन घर पर ही रहकर अपनी पढ़ाई शिक्षकों के माध्यम से जारी रख रहे हैं। ग्राम कोलेन्द्रा की कुमारी लिलिमा ने कहा कि ऑनलाईन पोर्टल से सीखने के लिए यह एक बेहतरीन माध्यम है। जिसके जरिए ज्ञान-विज्ञान के द्वार हमारे लिए खुले हैं। डोंगरगढ़ विकासखंड की शासकीय प्राथमिक शाला डारागांव के रूद्रकुमार ने कहा कि कोविड-19 से बचाव करते हुए स्वयं को सुरक्षित रख ऑनलाईन पढ़ाई करना अच्छा माध्यम है। इससे हम होमवर्क भी शिक्षक के मार्गदर्शन में सरलतापूर्वक कर पा रहे हैं।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठन सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी सकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य साथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के मूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU